International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 4 Issue 3, March- 2014
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 3.501 |

सतत विकास के लिए शिक्षा के मनोवैज्ञानिक पहलू

डॉ0 केशरी नन्दन मिश्रा
एसोसिएट प्रोफेसर (इतिहास)
पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय पी.जी. कालेज, सैदाबाद इलाहाबाद

सारांश
सतत विकास के लिए शिक्षा एक "अंतःविषय सीखने की पद्धति है जो औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रम के एकीकृत सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलुओं को शामिल करती है। यह अकादमिक दृष्टिकोण स्नातकों को पर्यावरण के विकास में भूमिका निभाने के लिए अपने ज्ञान, प्रतिभा और अनुभव को पोषित करने में मदद कर सकता है और समाज के जिम्मेदार सदस्य बनें। ब्रंटलैंड आयोग अगली पीढ़ी की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता को खतरे में डाले बिना वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करने के रूप में सतत विकास को परिभाषित करता है। शिक्षण और सीखने में महत्वपूर्ण सतत विकास मुद्दों को एकीकृत करना। इसमें शामिल हो सकते हैं, उदाहरण के लिए, जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम में कमी, जैव विविधता, और गरीबी में कमी और टिकाऊ खपत के बारे में निर्देश। इसमें सहभागी शिक्षण और सीखने के तरीकों की भी आवश्यकता होती है जो शिक्षार्थियों को अपना व्यवहार बदलने और सतत विकास के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

मुख्य शब्द: सतत विकास, शिक्षा, परिवर्तन, आपदा, जैव विविधता, गरीबी

प्रस्तावना

सतत विकास की आकांक्षा के लिए हमें सामान्य समस्याओं और तनावों को दूर करने और नए क्षितिज को पहचानने की आवश्यकता है। आर्थिक विकास और धन सृजन ने वैश्विक गरीबी दर को कम किया है, लेकिन दुनिया भर के समाजों में नाजुकता, असमानता, बहिष्कार और हिंसा में वृद्धि की है। आर्थिक उत्पादन और खपत के अविश्वसनीय पैटर्न ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरणीय गिरावट और प्राकृतिक आपदाओं में उछाल में योगदान करते हैं। इसके अलावा, जैसा कि पिछले कई दशकों में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार ढांचे को मजबूत किया गया है, इन मानदंडों का कार्यान्वयन और संरक्षण एक चुनौती बना हुआ है। उदाहरण के लिए, शिक्षा तक अधिक पहुंच के माध्यम से महिलाओं के प्रगतिशील सशक्तिकरण के बावजूद, उन्हें सार्वजनिक जीवन और रोजगार में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों, खासकर लड़कियों के खिलाफ हिंसा उनके अधिकारों का हनन कर रही है। फिर, जबकि तकनीकी विकास अधिक परस्पर जुड़ाव में योगदान करते हैं और विनिमय, सहयोग और एकजुटता के लिए नए रास्ते प्रदान करते हैं, हम सांस्कृतिक और धार्मिक असहिष्णुता, पहचान-आधारित राजनीतिक आंदोलन और संघर्ष में भी वृद्धि देखते हैं।

शिक्षा को इस तरह की चुनौतियों का जवाब देने के तरीके खोजने चाहिए, दुनिया भर में और वैकल्पिक ज्ञान प्रणालियों के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नए मोर्चे, जैसे कि तंत्रिका विज्ञान में प्रगति और डिजिटल प्रौद्योगिकी में विकास को ध्यान में रखते हुए। शिक्षा के उद्देश्यों और सीखने के संगठन पर पुनर्विचार करना कभी भी आवश्यक नहीं रहा है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 4 Issue 3, March- 2014
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 3.501 |

दुनिया भर में स्थिरता शिक्षा के लिए नींव रखी गई है। सेवा सीखने में हाल के बदलाव, साक्षरता और कौशल पर ध्यान केंद्रित करना, मानक जो अंतःविषय सोच का समर्थन करते हैं, और सिस्टम सोच की भूमिका ने आंदोलन की दृश्यता में वृद्धि की है। ईएसडी के विभिन्न दृष्टिकोण लोगों को ग्रहों की स्थिरता और अपने स्वयं के मूल्यों और उस समाज के उन मुद्दों के बीच की जटिलताओं को समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जिसमें वे स्थिरता के संदर्भ में रहते हैं। ईएसडी चाहता है कि लोग एक स्थायी भविष्य पर बातचीत करने, निर्णय लेने और कार्य करने में शामिल हों।

सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र शिक्षा के दशक (डीईएसडी)

ईएसडी के महत्व की मान्यता में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005-2014 को सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र शिक्षा का दशक (डीईएसडी) घोषित किया। यूनेस्को ने दशक का नेतृत्व किया और दशक के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कार्यान्वयन योजना विकसित की। दशक के लक्ष्य सभी प्रकार की शिक्षा, जन जागरूकता और प्रशिक्षण के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देने और सतत विकास में बदलाव के अवसर प्रदान करना है; और सतत विकास में शिक्षा और सीखने की महत्वपूर्ण भूमिका की उन्नत रूपरेखा देना। सस्टेनेबिलिटी के लिए शिक्षा वैश्विक और स्थानीय स्थायी समुदायों को प्राप्त करने का तरीका सीखने का अभ्यास है।

दशक के अंत को सतत विकास (ईएसडी) के लिए शिक्षा पर यूनेस्को विश्व सम्मेलन द्वारा चिह्नित किया गया था। सम्मेलन के दौरान बनाए गए सतत विकास के लिए शिक्षा पर 2014 आइची-नागोया घोषणा, शिक्षा, प्रशिक्षण और सतत विकास नीतियों में ईएसडी के एकीकरण को मजबूत करने के लिए सरकारों को आमंत्रित करती है। जहां यूनेस्को 21वीं सदी की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए शिक्षा के सभी पहलुओं में सतत विकास के सिद्धांतों को एकीकृत करने के लिए अग्रणी एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

सतत विकास के लिए शिक्षा पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक स्थायी भविष्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ मानव का 1-विकास करना है। 2- दुनिया के किसी भी बच्चे को शैक्षिक भवन में शामिल करें और स्कूल तक पहुंच प्रदान करें। 3- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार। 4- वैश्विक नागरिकता की अवधारणा को बढ़ावा देना। भविष्य में यूनेस्को सभी के लिए अपनी शिक्षा (ईएफए) योजना का समर्थन करेगा और यूनिसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी, एजुकेशन इंटरनेशनल और गैर सरकारी संगठनों जैसे अन्य सहयोगी संगठनों के सहयोग से अपनी शिक्षा लाइन का समर्थन करना जारी रखेगा।

सतत विकास के लिए शिक्षा में यूनेस्को की भूमिका। 1-यूनेस्को पुरस्कार "सतत विकास के लिए शिक्षा"। यूनेस्को, यूनेस्को के साथ आधिकारिक साझेदारी में, सतत विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले 3 व्यक्तियों, संस्थानों या संगठनों को यूनेस्को पुरस्कार का हिस्सा बनने के लिए नामित करने के लिए सरकारों और गैर-सरकारी संगठनों को आमंत्रित करता है, बशर्ते कि वह एक या अधिक में भाग लेता है सतत विकास के लिए शिक्षा कार्यक्रम के पांच क्षेत्र। जहां $150,000 के पुरस्कार के मूल्य को 3 विजेताओं में विभाजित किया जाता है। यूनेस्को की महानिदेशक इरीना बोकोवा ने पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर से JAGIRL, इंडोनेशिया और जर्मनी के लिए सतत विकास के लिए शिक्षा के लिए यूनेस्को/जापान पुरस्कार से सम्मानित किया। सतत विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी स्थापना के बाद से यह पुरस्कार प्रदान किया जाने वाला पहला पुरस्कार है। पुरस्कार जापान सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 4 Issue 3, March- 2014
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 3.501 |

शिक्षा और सीखने का पुनरोद्धार ताकि सभी को उन मूल्यों, कौशल और ज्ञान को प्राप्त करने का अवसर मिले जो उन्हें सतत विकास में योगदान करने के लिए सशक्त बनाते हैं; और सतत विकास को बढ़ावा देने वाले सभी प्रासंगिक एजेंडा, कार्यक्रमों और गतिविधियों में शिक्षा और सीखने की भूमिका को बढ़ाना।

जीएपी पांच प्राथमिकता वाले कार्रवाई क्षेत्रों में कार्रवाई पैदा करने और स्केलिंग पर केंद्रित है: 1. अग्रिम नीति; 2. सीखने और प्रशिक्षण के माहौल में बदलाव; 3. शिक्षकों और प्रशिक्षकों का क्षमता निर्माण; 4. युवाओं को सशक्त और संगठित करना; 5. स्थानीय स्तर पर स्थायी समाधान में तेजी लाना। सतत विकास के साथ अपने मजबूत संबंधों के कारण, ईएसडी पर जीएपी शिक्षा, प्रशिक्षण और जन जागरूकता पहल के प्रकारों को समझता है ताकि सभी उम्र के लोगों को जलवायु परिवर्तन द्वारा प्रस्तुत जटिल समस्याओं के समाधान को समझने और लागू करने में सक्षम बनाया जा सके।

ईएसडी पर अपने जीएपी के ढांचे के भीतर जलवायु परिवर्तन शिक्षा (सीसीई) पर यूनेस्को का काम इसे जलवायु परिवर्तन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का एक अधिक केंद्रीय और दृश्यमान हिस्सा बनाना है; सीसीई को अपनी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणालियों में एकीकृत करने के लिए देशों का समर्थन करें; और शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से हरित अर्थव्यवस्थाओं और लचीला समाजों के लिए एक सहज संक्रमण प्राप्त करने में देशों का समर्थन करना।

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)

ईएसडी को वैश्विक नागरिकता शिक्षा (जीसीईडी) के साथ मिलकर शिक्षा पर एसडीजी के लक्ष्य 4.7 के हिस्से के रूप में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में स्पष्ट रूप से मान्यता प्राप्त है, जिसे यूनेस्को एक पूरक दृष्टिकोण के रूप में बढ़ावा देता है। एसडीजी के लक्ष्य 4.7 में कहा गया है: 2030 तक, सुनिश्चित करें कि सभी शिक्षार्थियों ने सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल हासिल कर लिया है, जिसमें अगस्त 2015 में 193 देश 17 लक्ष्यों पर सहमत हुए:

हर जगह गरीबी को उसके सभी रूपों में समाप्त करें। भूख समाप्त करें, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करें, पोषण में सुधार करें और स्थायी कृषि को बढ़ावा दें। अच्छा स्वास्थ्य स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करता है और सभी उम्र के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। उत्तम शिक्षा। सार्वभौमिक और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ाना। लैंगिक समानता सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाती है। सभी के लिए भरपूर और टिकाऊ पानी और स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करें। सभी के लिए किफायती, विश्वसनीय और टिकाऊ ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करना। टिकाऊ, व्यापक और सतत आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोजगार और सभी के लिए अच्छे काम को बढ़ावा देना। एक लचीला बुनियादी ढांचे का निर्माण और व्यापक, टिकाऊ विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा देना। राज्यों के बीच और राज्यों और एक दूसरे के बीच असमानता को कम करना। शहर और टिकाऊ समुदाय। शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाना। संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग। टिकाऊ खपत और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करें। सतत विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का सतत और सतत उपयोग। भूमि का सतत उपयोग स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र के सतत उपयोग को संरक्षित, पुनर्स्थापित और बढ़ावा देना, टिकाऊ तरीके से वनों का प्रबंधन, मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना, भूमि क्षरण को रोकना और पुनर्स्थापित करना और जैव विविधता को रोकना। शांति और न्याय सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय तक पहुंच प्रदान करना और सभी स्तरों

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 4 Issue 3, March- 2014
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 3.501 |

पर प्रभावी, जवाबदेह और समावेशी संस्थानों का निर्माण करना।

निष्कर्ष

सतत विकास के लिए शिक्षा (ईएसडी) सभी उम्र के छात्रों को ज्ञान, कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोणों से लैस करती है, जो हमें जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय गिरावट, जैव विविधता हानि, गरीबी और असमानता जैसी परस्पर जुड़ी वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए आवश्यक हैं। सभी उम्र के छात्रों और शिक्षार्थियों को आज और कल की कठिनाइयों के समाधान विकसित करने के लिए तैयार रहना चाहिए। शिक्षा परिवर्तनकारी होनी चाहिए, जिससे हम शिक्षित निर्णय ले सकें और अपने समाजों को बेहतर बनाने और पर्यावरण की रक्षा के लिए व्यक्तिगत और सांप्रदायिक कार्रवाई कर सकें। पर्यावरण शिक्षा, जिसका उद्देश्य लोगों के ज्ञान, कौशल, मूल्यों, दृष्टिकोण और व्यवहार को उनके पर्यावरण की देखभाल के लिए शिक्षित करना है, ने ईएसडी के विकास को प्रभावित किया। ESD का लक्ष्य व्यक्तियों को निर्णय लेने और ऐसी गतिविधियाँ लेने के लिए सशक्त बनाना है जो पर्यावरण की रक्षा करते हुए हमारे जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती हैं। यह शिक्षा के सभी तत्वों और स्तरों में सतत विकास के मूल्यों को शामिल करने की भी इच्छा रखता है। यूनेस्को के अनुसार, दशक का उद्देश्य शिक्षा और सीखने के सभी पहलुओं में सतत विकास अवधारणाओं, मूल्यों और प्रथाओं को शामिल करना है। इसका उद्देश्य व्यवहारिक परिवर्तनों को प्रेरित करना है जिसके परिणामस्वरूप अधिक टिकाऊ भविष्य होगा।

References

- Bonnett, M. (1999). Education for sustainable development: a coherent philosophy for environmental education?. *Cambridge Journal of education*, *29*(3), 313-324.
- Hopkins, C., & McKeown, R. (2001). Education for Sustainable Development: past experience. Present action and future prospects. *Educational Philosophy and Theory*, *33*(2), 231-244.
- Junyent, M., & de Ciurana, A. M. G. (2008). Education for sustainability in university studies: a model for reorienting the curriculum. *British educational research journal*, *34*(6), 763-782.
- Kals, E., & Maes, J. (2002). Sustainable development and emotions. In *Psychology of sustainable development* (pp. 97-122). Springer, Boston, MA.
- Nosike, A., & Oguzor, N. (2011). Education and Sustainable Development. *Perspectives of Innovations, Economics & Business*, *7*(1), 62.
- Patzelt, H., & Shepherd, D. A. (2011). Recognizing opportunities for sustainable development. *Entrepreneurship Theory and Practice*, *35*(4), 631-652.
- Rieckmann, M. (2017). *Education for sustainable development goals: Learning objectives*. Unesco Publishing.